Sant Shiromani Guru Ravidas Government College, Sargaon, Dist-Mungeli (C.G.)

One Day Seminar

on

"Aesthetic Sense of Indian Women"

Organized by

Departments of Sociology, History & IQAC

Date:- 12th December 2021

Time:- 11:30 AM

Mode:- Online Digital Google Meet

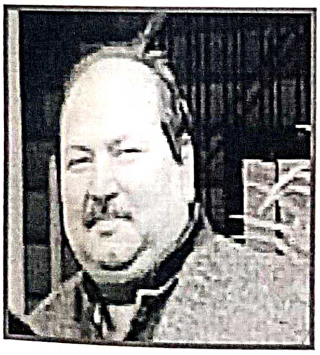

Dr. S.P. Ambasth
Principal & Patron

Resource Person
Dr. Durga Bajpyee
Professor & HOD
Department of Sociology
Govt. Pataleshwar College Masturi
Dist. Bilaspur C. G.

Dr. Abha Tripathi
Professor,
Department of Sociology

Registration Link: https://forms.gle/teZC6uit98oy2Tys7

Google Meet Link https://meet.google.com/rca-oano-bnq

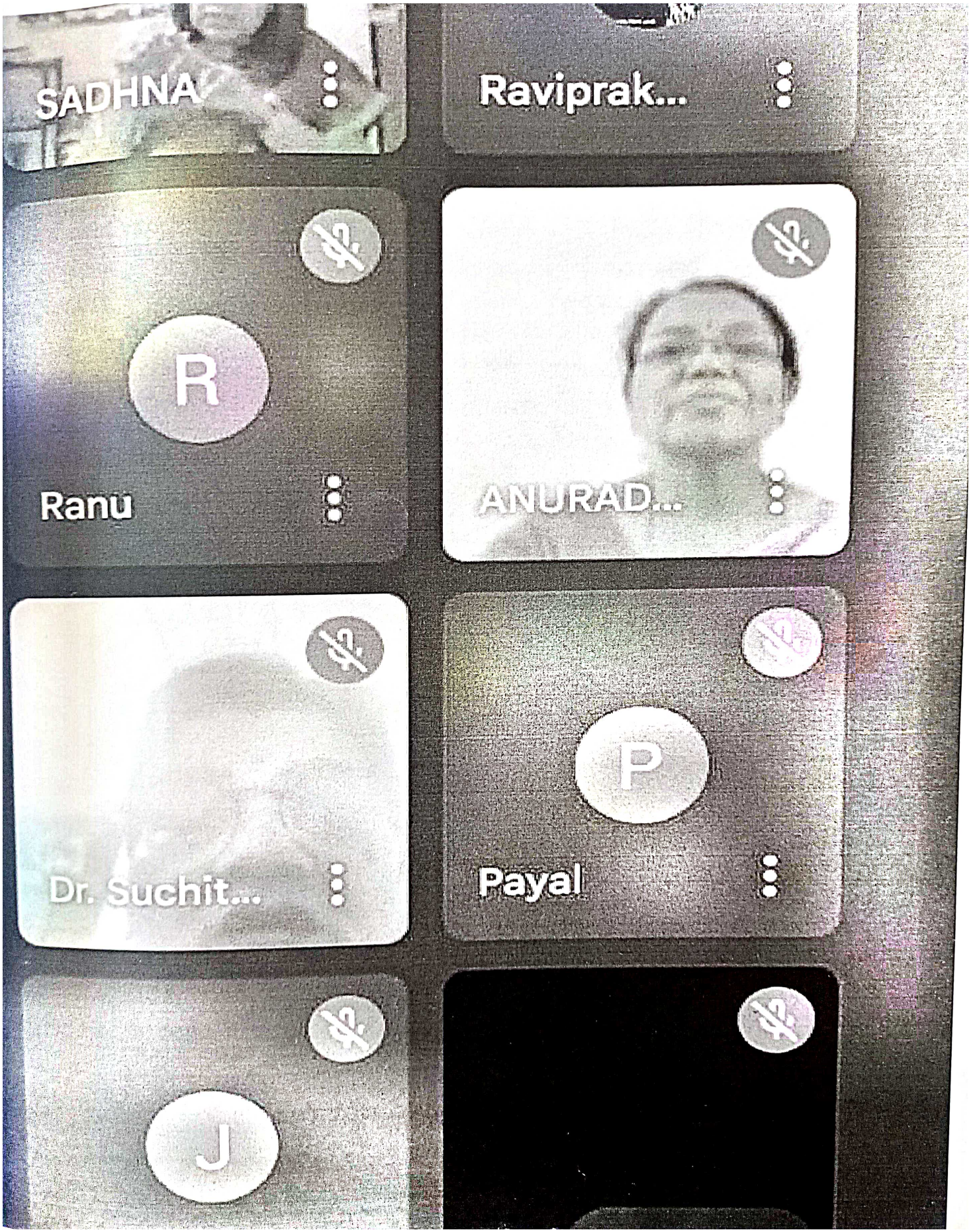
SADHNA
Raviprak...
R
Ranu
ANURAD...
Dr. Suchit...
P
Payal
J

शासकीय महाविद्यालय, सरगांव, जिला - मुंगेली (छ.ग.)

आरोग्य परिवार का स्वास्थ्य वर्धक कार्यक्रम 31/12/21

आरोग्य परिवार के कार्यकर्ता श्री हीरामणी साहू जी द्वारा बच्चों को छत्तीसगढ़ी में रोचक तरीके से सचित्र कैल्शियम और आयरन की आवश्यकता एवं महत्व के बारे में बताया गया। स्वच्छता के प्रति स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। छात्रों की जिज्ञासाओं को शांत किया। सभी कक्षा और संकाय के लगभग 53 छात्र / छात्रायें कार्यक्रम में उपस्थित थे। धन्यवाद ज्ञापन प्रो. श्री जे.के शर्मा वाणिज्य संकाय कार्यक्रम प्रभारी रा.से.यो. ने किया।

Principal
Sant Shiromani Guru Ravidas
Govt. College, Sargaon
Distt. Mungeli (C.G.)

Office of the Principal
Sant Shiromani Guru Ravidas Government College Sargaon, Dist-Mungeli (C.G.)
(College Code-2904) www.ssgrgcsargaon.ac.in email- ssgrgovtcollegesargaon@gmail.com

Sargaon, Date15.11.2021

Organization of World Tribal Glory Day(विश्व आदिवासी गौरव दिवस)

Today on 15-11-2021 World Tribal Glory Day was organised by the Department of Political Science, Sociology And IQAC. All Members of staff And students participated in the function. Frist of all ,Dr.M.V. Buxla told about the glorious history of tribal people. She threw light on Tribal Movement, Causes And Contributory Conditions of Movement , Movements in Indian Tribes, etc.

After this Birsa Munda Jyanti Samaroh was organised. Prof A.K. Toppo told about life and achievement of Birsa Munda. Birsa Munda started an organised movement against the British from 1895 To 1901. Birsa was arrested on Aug 24,1885 and released on Nov 30.1897. His contribution to Tribal Movement and Development Is considerable.

Some Students, Anjali Kosle B.A.II, Sushma Rajput B.A.III, and Asif Baghel B.A.I, expressed thir views on the Glorious Movement of Tribal People.

Principal
Principal
Sant Shiromani Guru Ravidas
Govt. College, Sargaon
Distt. Mungeli (C.G.)

एक दिवसीय सेमीनार

विषय :– **Women's Empowerment in Indian Politics**
भारतीय राजनीति में महिला सशक्तिकरण

आयोजक :– राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र एवं **IQAC** संत शिरोमणी गुरू रविदास शासकीय महाविद्यालय सरगांव, जिला–मुंगेली (छ.ग.)

राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा "भारतीय राजनीति में महिला सशक्तिकरण" विषय पर दिनांक 08.03.2022 को एक दिवसीय सेमीनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ. आभा त्रिपाठी ने कहा कि महिलायें हर पहलू में सशक्त होती है, आदि काल से ही महिलायें हर क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रही है। आज महिलाओं की भूमिका घरेलू कार्यों तक ही सीमित नहीं है, साल के 365 दिन महिला की भूमिका प्रत्येक क्षेत्र में सराहनीय है। महिला एक पुत्री, बहु, माता, पत्नि की भूमिका के साथ देश की तरक्की में अपना योगदान दे रही है। श्रीमती इंदिरा गांधी, वसुंधरा राजे, शीला दीक्षित, ममता बनर्जी, सुषमा स्वराज, किरण बेदी आदि महिलायें सशक्तिकरण को दर्शाती है। डॉ. एस.पी.अम्बस्ट ने कहा कि आज की महिलायें आत्म निर्भर है, आज विभिन्न क्षेत्रों जैसे शिक्षा, साहित्य, समाज, उद्योग, व्यापार, सेना, पायलेट, खेल आदि सभी क्षेत्रों में महिलायें प्रतिनिधित्व कर रही है। जहां पहले नारी को अबला माना जाता था, वही आज दुनिया की कमान सम्भाल रही है।

आज राजनीति में महिलाओं की स्थिति एवं भागीदीरी न केवल भारत बल्कि पूरे विश्व के इतिहास में एक अपवाद रही है, क्योंकि स्वतंत्रता के बाद से महिलाओं की राजनीति में भागीदारी के प्रतिशत में उत्त्रोतर सुधार हुआ है। आज महिलायें उर्जावान तरिकें से चुनौतियों का डटकर मुकाबला कर रही है, आज महिलायें जमीनी व पंचायत स्तर से उपर उठ कर भारतीय राजनीति और जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में प्रतिनिधित्व कर रही है। इस अवसर पर महाविद्यालय की अधिकारी/कर्मचारी एवं छात्र/छात्रायें उपस्थित थे, अंत में डॉ. एम.व्ही.बाखला द्वारा अभार व्यक्त कर सेमीनार का समापन किया गया।
निम्नलिखित छात्र/छात्रायें उपस्थित थें :–

1. यशवंत कुमार
2. सुनील साहू
3. कृष्ण कुमार
4. मनीषा ध्रुव
5. पूजा राजपूत
6. लेखिका तिवारी
7. आरती नेताम
8. अमन जोशी
9. रोशनी कुर्रे
10. कविता जांगड़े

Principal
Sant Shiromani Guru Ravidas
Govt. College, Sargaon
Distt. Mungeli (C.G.)

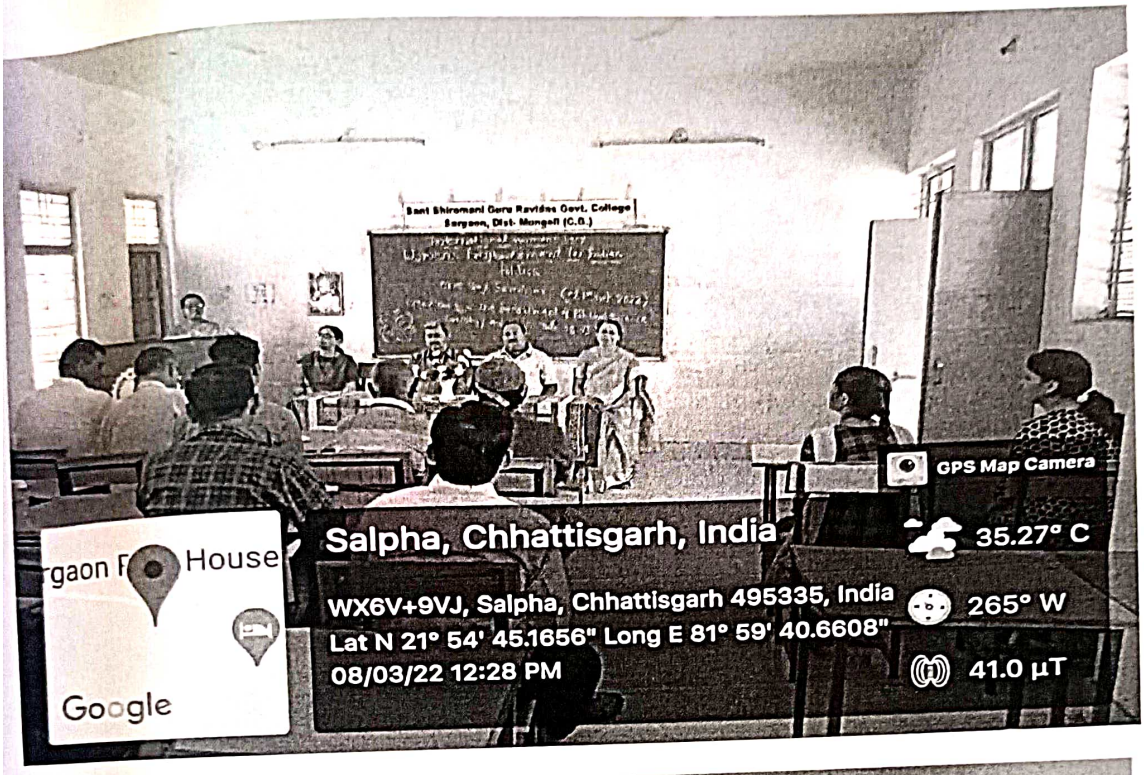

GPS Map Camera
Salpha, Chhattisgarh, India
35.27° C
WX6V+9VJ, Salpha, Chhattisgarh 495335, India
Lat N 21° 54' 45.1656" Long E 81° 59' 40.6608"
08/03/22 12:28 PM
265° W
41.0 µT
House
Google

GPS Map Camera
Salpha, Chhattisgarh, India
35.27° C
WX6V+9VJ, Salpha, Chhattisgarh 495335, India
Lat N 21° 54' 45.2052" Long E 81° 59' 40.3152"
08/03/22 12:28 PM
34° NE
29.0 µT
House
Google

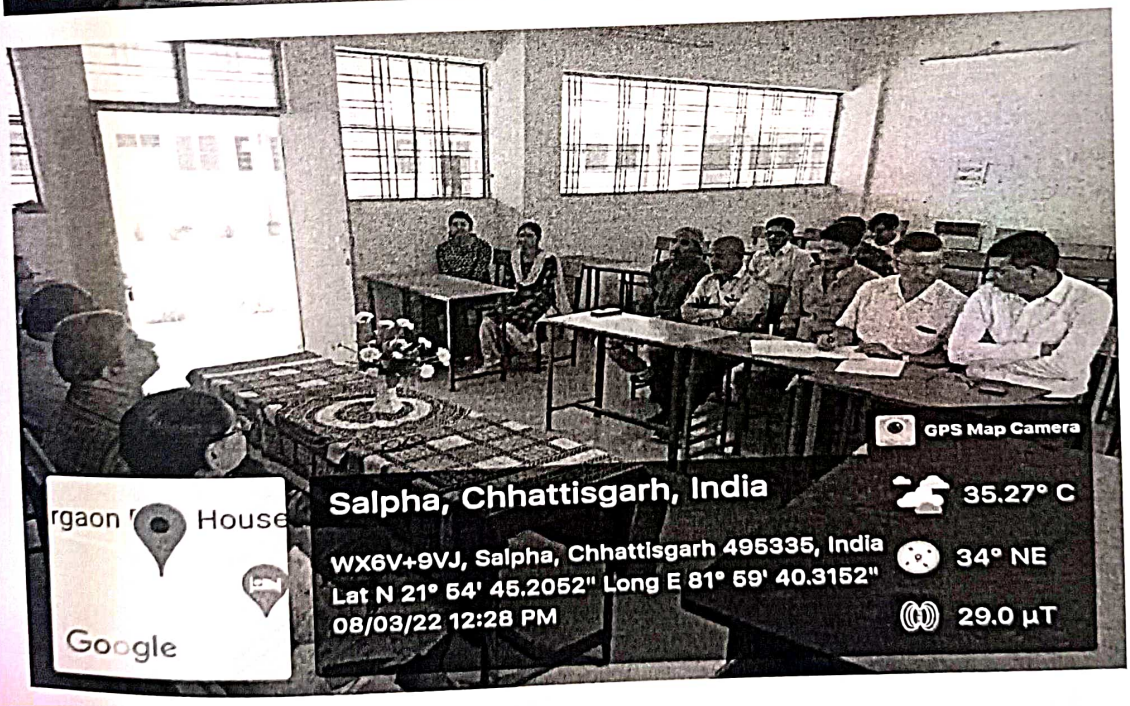

कार्यालय-प्राचार्य, संत शिरोमणी गुरू रविदास, शासकीय महाविद्यालय, सरगाँव जिला-मुंगेली (छ.ग.)
(College Code-2904) www.ssgrgcsargaon.ac.in email- ssgrgovtcollegesargaon@gmail.com Ph.-07752275777

12/12/2021

प्रतिवेदन

विभाग - समाजशास्त्र (12/12/2021) एक दिवसीय सेमीनार
Aesthetic Sense of Indian Women "
भारतीय नारियों का सौंदर्य बोध" विषय पर आन लाईन सेमीनार आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. दुर्गा बाजपेयी प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र शा. पा. महा. मस्तूरी जिला बिलासपुर (छ.ग.) थीं। उन्होंने बताया की सौंदर्य एक सुंदर शब्द है जिसका सम्बन्ध देखने से ज्यादा महसूस करने से है, अनुभूति का एहसास है। प्रकृति की हर रचना खूबसूरत है बस उसे महसूस करने के लिये एक सुंदर दिल चाहिये। यूं तो सौंदर्य का कोई मापदंड नहीं होता किंतु समाज के कुछ संकीर्ण विचार धाराओं ने इसके मापदंड तय कर इस शब्द को सीमित कर दिया है। आज सुंदरता की परिभाषा एक देह तक सिमटकर रह गई है। लंबाई, रंग आकार, वजन हमने कुछ ऐसे ही पैमाने तय किये हैं। जो प्रकृति प्रदत्त है जिसे बदलना हमारे वश में नहीं है वह सौंदर्य का आधार कैसे हो सकता है?
परिवार के संचालन में गृहणी का सौंदर्य उनका प्रेम, समर्पण, सेवाभाव, सामंजस्य होता है। पत्नी के रूप में एक साधारण दिखने वाले पुरुष से भी वह प्रेम करती है। उसके लिये उनका आपसी सामंजस्य, एक दुसरे की परवाह, सेवा, सहयोग सौंदर्य होता है। आज वह एक सही मायने में सहधर्मिणी है जो गृहस्थी के संचालन के साथ-साथ बाहर के कामों में भी मददगार है। आज पूरे दमखम से कला एवं साहित्य, खेल, राजनीति, सेना, चिकित्सा, व्यवसाय में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी योग्यता के बल पर पहचान बनाई है। उनका नाम ही पहचान बन गया है। सरोजनी नायडू, इंदिरा गांधी, सुषमा स्वराज, शीला दीक्षित, कल्पना चावला किरण बेदी, सानिया मिर्जा, पी. वी. सिंधु, साइना नेहवाल, मैरीकाम, महादेवी वर्मा लता मंगेशकर, मीराबाई, पी. टी. उषा आदि अनेकानेक महिलाओं की योग्यता ही उनका सौंदर्य है। आज अपने आप को स्थापित करने के लिये भारतीय नारी को किसी रंग रोगन रख-रखाव की आवश्यकता नहीं है उनके आत्मविश्वास ने समाज की सोच बदली है। गोरी काली का फर्क मिटा है सौंदर्य के मापदंड बदले हैं कार्यक्रम में बी.ए एवं अन्य संकाय के छात्र भी शामिल थे। धन्यवाद मिंज मैडम ने दिया।

विभागाध्यक्ष

Principal
Sant Shiromani Guru Ravidas
Govt. College Sargaon
Mungeli (C.G.)